



छात्रों को बताया, नई तकनीक के साथ कैसे बदलेगी मेडिकल इमेजिंग

● **एरा यूनिवर्सिटी में अतिथि व्याख्यान का हुआ आयोजन**

लखनऊ (सं)। मरीज की जांच के लिए अब हर बार बड़े और स्थायी सीटी स्कैन सेंटर तक ले जाने की जरूरत नहीं होगी। मेडिकल इमेजिंग की नई तकनीकें जांच को अधिक सुविधाजनक और सटीक बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। पोर्टेबल सीटी और फोटॉन कार्डिंग सीटी जैसी तकनीकों ने रेडियोलॉजी के क्षेत्र में संभावनाओं के नए रास्ते खोले हैं। इन्हीं बदलावों से छात्रों को रूबरू कराने के लिए एरा यूनिवर्सिटी में विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान के निम्स विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भानु प्रताप ने पोर्टेबल सीटी तकनीक की



जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक विशेष परिस्थितियों में मरीज के पास ही इमेजिंग सुविधा उपलब्ध कराने में उपयोगी हो सकती है। इसके संभावित चिकित्सा अनुप्रयोगों और बदलती स्वास्थ्य सेवाओं में

इसकी भूमिका पर भी चर्चा हुई। दूसरे वक्ता रायबरेली के सीनियर रेडियोलॉजी टेक्नीशियन अभिषेक यादव ने फोटॉन कार्डिंग सीटी की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने पारंपरिक सीटी से इसकी तकनीकी

किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी, प्रो-वीसी प्रो. फरजाना महदी, डीन डॉ. सिद्धार्थ चंदेल, असिस्टेंट डीन डॉ. जिया अब्बास नकवी समेत शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

विशेषताओं और भविष्य में डायग्नोस्टिक इमेजिंग में इसके संभावित उपयोगों पर प्रकाश डाला। रेडियो डायग्नोसिस विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सचिन खंडूरी ने रेडियोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई को विशेषज्ञों का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी क्षमता बढ़ाने वाले साधन के रूप में देखना चाहिए। छात्रों से नई तकनीकों के साथ लगातार अपने कौशल को अपडेट करने का आह्वान